सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 150 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 7 जुलाई, 2023

मूल्य ₹ 3/-

भले ही आप कपडे पहनने में लापरवाह रहिये पर अपनी आत्मा को दुरुस्त रखिये।
-मार्क ट्वेन

कर्नाटक में आम लोगों के... 8 | राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़... 3 | भाजपा का दानवीय चेहरा सामने... 7

राहुल की सजा से कहीं हो न जाए भाजपा को नुकसान

सजा पर रोक की मांग वाली याचिका खारिज

» कांग्रेस बोली- आदेश दुर्भाग्यपूर्ण, जायेंगे सुप्रीम कोर्ट

» बीजेपी ने कहा- कोर्ट के फैसले को मानें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी की सजा कम करने वाली याचिका को खारिज करने के गुजरात हाईकोर्ट के फैसले का असर 2024 के चुनाव पर पड़ना तय है। इस फैसले से भाजपा खुश है और वह राहुल गांधी को घेरने में लगी है। पर कांग्रेस के लिए यह फैसला फायदेमंद हो सकता है। इससे पहले भी जब निचली अदालत का फैसला आया था कांग्रेस ने इसको बड़ा मुद्दा बनाया था, इसका लाभ उसे मिला था। जिसका परिणाम कर्नाटक चुनाव की जीत से दिखा था। उस फैसले के बाद पूरे भारत में राहुल गांधी के साथ आमलोग भी जुड़ गए थे और मोदी सरकार को खरी-खोटी सुना रह थे। इसके बाद से राहुल गांधी की लोकप्रियता में भी बड़ा फर्क आया है। जाहिर सी बात है इस अदालती निर्णय का कांग्रेस को लाभ मिलेगा। अब आगे देखना होगा कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व इसको कैसे अपने पक्ष में लेता है। हालांकि कांग्रेस ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का निणर्य लिया है।

गौरतलब है कि सूरत में एक मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने 23 मार्च को भाजपा गुजरात विधायक पूर्णेश मोदी द्वारा दायर 2019 मामले में गांधी को आईपीसी की धारा 499 और 500 (आपराधिक मानहानि) के तहत दोषी ठहराते हुए दो साल जेल की सजा सुनाई थी। विधायक ने गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया था कि सभी चोरों का उपनाम मोदी कैसे है? राहुल ने 13 अप्रैल 2019 को कर्नाटक में रैली में यह टिप्पणी की थी।

ये लोकतंत्र की हत्या है : शिवकुमार

गुजरात हाईकोर्ट के फैसले पर कर्नाटक के उपमुयमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि न्याय नहीं मिला। ये लोकतंत्र की हत्या है। मगर फिर भी पूरा देश और विपक्ष राहुल जी के साथ खड़ा है।

हमारे संकल्प को दोगुना किया : जयराम रमेश

वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि राहुल की संसद से अयोग्यता पर गुजरात हाईकोर्ट की एकल पीठ का फैसला हमारे संज्ञान में आया है। माननीय न्यायाधीश के तर्कों का अध्ययन किया जा रहा है, जैसा कि होना चाहिए। डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी दोपहर 3 बजे मीडिया से इस पर विस्तार से चर्चा करेंगे। हाईकोर्ट के फैसले ने इस मामले को आगे ले जाने के हमारे संकल्प को दोगुना किया है।

लोकसभा चुनाव नहीं लड़ पाएंगे

हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद राहुल गांधी अब 2024 लोकसभा चुनाव नहीं लड़ पाएंगे और न ही संसद सदस्य (सांसद) के रूप में अपनी स्थिति के निलंबन को रद्द करने की मांग नहीं कर पाएंगे। वह हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकते हैं। राहुल की लोकसभा सदस्यता पहले ही जा चुकी है।

अदालत के फैसले से राजनीतिक भाग्य तय नहीं होते : बंसल

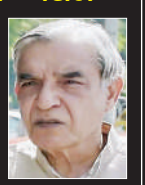

कांग्रेस के नेता पवन कुमार बंसल ने कहा कि हमने हमेशा न्यायपालिका का समान किया है और इसे उच्च समान में रखा है, लेकिन हमारा मानना है कि यह निर्णय गलत है। ये तथ्यों के साथ-साथ कानूनी रूप से गलत है। अदालत के फैसले से राजनीतिक भाग्य (राहुल गांधी का) तय नहीं हुआ है। यह देश की जनता ने तय किया है और देश की जनता मजबूती से राहुल गांधी के साथ है।

आप पर अभी 10 आपराधिक केस लंबित हैं : न्यायमूर्ति हेमंत प्रच्छक

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति हेमंत प्रच्छक ने कहा कि गांधी पहले से ही भारत भर में 10 आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता को दोषी ठहराने के लिए निचली अदालत का आदेश उचित और कानूनी था इसलिए उसमें कुछ बदलने लायक नहीं है। हाई कोर्ट ने कहा कि सजा पर रोक लगाने का कोई उचित आधार नहीं है।

राहुल को नहीं बनाने चाहिए ऐसे इतिहास : पूर्णेश

भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने अदालत की टिप्पणी, जिसमें राहुल पर और केस दर्ज होने की बात कही है, पर कहा कि राहुल को इसके बारे में सोचना चाहिए और ऐसे इतिहास नहीं बनाने चाहिए...।

विधायक या सांसद होने का फायदा नहीं मिल सकता : वकील

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मोदी सरनेम मामले में वकील हर्षित एस. टोलिया ने कहा कि कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए जो कहा उससे हमें समझ आता है कि निचली अदालत का फैसला सही है। विधायक या सांसद होने के कारण किसी को विशेष फायदा नहीं मिल सकता। भयुक्त के खिलाफ बहुत से ऐसे मामले हैं। कोर्ट ने आज फैसला सुनाते हुए याचिका खारिज कर दी है।

सूरत कोर्ट का कोई क्षेत्राधिकार नहीं: गोहिल

कांग्रेस नेता शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि राहुल गांधी ने देश को लूटकर भाग गए ललित मोदी-नीरव मोदी के खिलाफ बयान दिया था। ये बात उन्होंने कर्नाटक में कही थी। सूरत कोर्ट का कोई क्षेत्राधिकार नहीं था। प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। राहुल गांधी के मामले में कुछ भी ठोस नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें पूरा यकीन है कि हमें न्याय मिलेगा।

फैसले के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

गुजरात हाई कोर्ट के फैसले को लेकर आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जगह जगह प्रदर्शन किए हैं। इसी कड़ी में उार प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। लखनऊ स्थित कांग्रेस दतर के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारी प्रदर्शन किया। सभी कार्यकर्ता कांग्रेस दतर से विधानसभा जाना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें कांग्रेस कार्यालय के बाहर ही बैरिकेट लगाकर रोक लिया। इसके बाद पुलिस ने सभी कार्यकर्ताओं को गिरतार कर के ईको गार्डन भेज दिया। गुजरात हाईकोर्ट के इस फैसले को लेकर लखनऊ के अलावा देश के अन्य हिस्सों में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जबरदस्त प्रदर्शन जारी है।

वरिष्ठ नेता राहुल को ठीक से बोलने का प्रशिक्षण दें: रविशंकर

राहुल गांधी को अदालत से लगे झटके के बाद बीजेपी नेता कांग्रेस पर हमलावर हो गए हैं। बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने शुक्रवार को राहुल गांधी को आड़े हाथ लिया। रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेताओं से पूछा कि वह राहुल गांधी को नियंत्रित यों नहीं कर सकते? आप उन्हें ठीक से बोलने के लिए प्रशिक्षित यों नहीं कर सकते? वह आपके नेता हैं। अगर उन्होंने इस मामले में माफी मांग ली होती तो ये मामला खत्म हो गया होता। रविशंकर ने आगे कहा कि प्रसिद्ध नेताओं और संगठनों को गाली देना, बदनाम करना और लगभग सबसे खराब तरह की गालियां देना राहुल गांधी की पुरानी आदत बन गई है।

दुष्कर्म के आरोपी नेता पर गैर जमानती वारंट जारी

एक साल बाद मुकदमा दर्ज, पुलिस ने कहा- संपत्ति की कुर्की भी होगी

» अलीगढ़ की मॉडल ने लगाया सपा नेता पर रेप का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के थाना क्वार्सी में आरोपी सपा नेता कौशल दिवाकर खिलाफ न्यायालय से गैर जमानती वारंट जारी किए गए हैं। यह वारंट पुलिस के अुनरोध पर जारी किया गया है। गौरतलब हो कि सपा नेता का कोई सुराग नहीं मिल रहा है।

अब अगर नेता पकड़ में नहीं आता है तो पुलिस कुर्की की प्रक्रिया अपनाएगी। सपा नेता पर यह पूरी कार्यवाही एक माडल द्वारा दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करने के बाद हो रही है। शिकायतकर्ता मॉडल के अनुसार वह लोक लाज के कारण उन दिनों शिकायत नहीं कर सकी और चुप रह गई। पीड़िता ने बताया कि आरोपी सपा नेता कौशल दिवाकर यहीं नहीं रुका और उसको जबरन घुमाने फिराने ले जाने लगा। इसी दौरान मॉडल की

फेसबुक के जरिए हुआ था संपर्क

घटना के अनुसार नगर निगम की पूर्व ब्रांड एंबेसडर और एक मॉडल ने समाजवादी पार्टी के नेता के खिलाफ रेप की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया है। अपनी शिकायत में मॉडल ने बताया है कि समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के पूर्व महानगर अध्यक्ष कौशल दिवाकर के साथ फेसबुक के जरिए संपर्क हुआ था। जिसके बाद व्हाट्सएप पर बातें शुरू हुईं। वक्त के साथ आरोपी ने नजदीकियां बढ़ाई और 20 अप्रैल 2022 की शाम को अपनी सफारी कार में बिठाकर कोल्ड ड्रिंक पिलाई। शिकायतकर्ता मॉडल के अनुसार कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद उसे होश नहीं रहा और इसी दौरान उसके साथ उसकी बिना मर्जी और सहमति के रेप की घटना को अंजाम दिया गया।

आरोपी ने कई प्राइवेट फोटोज अपने मोबाइल में ले लिए, मॉडल इन सभी चीजों से परेशान होकर मुंबई जाकर रहने लगी और अपना काम करने लगी। किसी प्रकार वहां का एड्रेस निकालकर आरोपी मुंबई पहुंच गया और वहां भी जबरन उसने फोटो वायरल करने की धमकी देकर रेप किया। पीड़ित मॉडल उस घटना के बाद फिर से लौटकर अलीगढ़ अपने घर आ गई।

पीड़िता ने कहा-उसे और परिवार को दी धमकी

पीड़िता शिकायत में आरोप लगाया है कि आरोपी सपा नेता कौशल दिवाकर उसे व उसके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी है। इन्हीं सभी चीजों से तंग आकर अब मॉडल ने पुलिस की चौखट पर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना क्वार्सी में आईपीसी की धारा 323, 506, 328 और रेप की धारा 376 में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। हालांकि अभी तक शिकायतकर्ता मॉडल ने कैमरे पर कोई भी बयान नहीं दिया है। सीओ अशोक सिंह ने बताया कि एक महिला द्वारा एक साल पुरानी घटना बताकर एक युवक पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया है। तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच की जा रही है।

विपक्षी राज्यों को निशाना बनाने के लिए यूसीसी का हो रहा उपयोग : स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर गैर-भाजपा राज्यों के खिलाफ समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का उपयोग करने का आरोप लगाया, उन्होंने आरोप लगाया कि प्रस्तावित कानून के खिलाफ बोलने वालों को केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा फिर से धमकी दी जा रही है।

सीएम स्टालिन ने गुरुवार को चेन्नई में संवाददाताओं से कहा कि वे (केंद्र में बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए) यूसीसी लागू करना चाहते हैं और गैर-बीजेपी राज्यों के खिलाफ इसका इस्तेमाल करना चाहते हैं। इसका विरोध करने वालों को CBI, ED और IT छापे की धमकी दी जा रही है। यूसीसी को राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र और मोर्चे पर वापस लाते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में कहा कि देश दो प्रकार के कानूनों पर नहीं चल सकता है, उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता संविधान के संस्थापक आदर्शों के अनुरूप है।

बिहार मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना

चंद्रशेखर से छिनेगा शिक्षा मंत्री पद!

» तेजस्वी के विदेश से लौटते ही होगा फैसला

» कैसे केके पाठक के घेरे में आए चंद्रशेखर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर और शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक के बीच की तल्खी अब निर्णायक मुकाम पर पहंच गई है। दिल्ली रवाना होने से पहले आरजेडी के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के कहने पर चंद्रशेखर सीएम नीतीश कुमार से तो मिले, लेकिन उनकी जो फजीहत सीएम आवास में हुई, वह उनके चेहरे और झुंझलाहट से साफ झलक रही थी।

चंद्रशेखर जब तक सीएम आवास पहुंचते, उसके पहले ही केके पाठक को नीतीश ने अपने आवास पर बुला लिया था।

वे पूरी तैयारी के साथ पहुंचे थे। वे अपने साथ शिक्षा मंत्री के कारनामे वाली कई फाइलें लेकर हाजिर थे। चंद्रशेखर की बात सुनने के बाद नीतीश ने केके पाठक से सफाई मांगी तो उन्होंने शिक्षा मंत्री के एक-एक कारनामे फाइलों के हवाले से सिलसिलेवार बताना शुरू किया। चंद्रशेखर की सिट्टी-पिट्टी गुम थी। अंत में नीतीश ने चंद्रशेखर को खुद में सुधार लाने की सलाह देकर विदा कर दिया।

बीजेपी यानी बहुत झूठी पार्टी : टीकाराम

» बीयर नदी पर जलकुंभी मामले में भाजपा आंदोलन को बताया प्रोपगंडा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलवर। राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने अलवर की बारह बीयर नदी पर जलकुंभी मामले को लेकर बीजेपी विधायक द्वारा किए गए आंदोलन को प्रोपगंडा बताया है। उन्होंने कहा कि वह कोई जलकुंभी हटवाने नहीं गए थे, सिर्फ अपनी राजनीति चमकाने के लिए गए थे।

अलवर में मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि हमारी पिछली सरकार में भी 4.5 करोड रुपये जलकुंभी हटाने के काम पर खर्च हुए थे। इस साल भी दो करोड़ रुपये की राशि खर्च हो रही है। मेरे कार्यकाल में ही भरतपुर जाने वाले

पानी का हिस्से के हिसाब से उसका लेवल कराया गया। अब जयसमंद में पानी जाता है। नदी में छंटाई करवाकर जलकुंभी के लेवल को नीचे कराया गया है। इससे भरपूर पानी की आवक हो सकेगी। उन्होंने बताया कि अगस्त के बाद जयसमंद बांध में भी पानी आएगा और अलवर शहर में पानी की कोई समस्या नहीं रहेगी। क्योंकि 20

अगर सरकार जनता को राहत देती है, तो हम इसी तरह रेवड़ी बांटते रहेंगे

मंत्री टीकाराम जूली ने बताया कि कांग्रेस की सरकार में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभी को राहत दी है। राहत के सवाल पर बीजेपी वाले कहते हैं कि रेवड़ी बांट रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार जनता को राहत देती है, तो हम इसी तरह रेवड़ी बांटते रहेंगे। बीजेपी को कांग्रेस सरकार की योजनाओं से जलन हो रही है। क्योंकि अभी सर्वे कराया गया है। जिसमें कांग्रेस आगामी होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत रही है।

ट्यूबेल पर काम चल रहा है। मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि बीजेपी वाले हिंदू-मुस्लिम करते हैं। अब इनका वह नारा भी नहीं चल रहा। उन्होंने कहा बीजेपी यानी बहुत झूठी पार्टी है। अलवर की प्राथमिकताओं में अलवर संभाग बनाए जाने की हमारी मांग प्रमुख है।

रेड एफएम-नगर निगम ने लखनऊ वालों के घरों में करवाया 'बंटवारा'

» लोगों ने की सराहना, गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करने की दी सीख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में 93.5 रेडएफएम और लखनऊ नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ बनाने हेतु एक अनूठी मुहीम की शुरूआत की गई है, जिसका नाम रखा गया है- 'रेडएफएम पर होगा बंटवारा'। 'बंटवारा' अभियान में लखनऊ नगर निगम भी अपनी सहभागिता दिखा रहा है, तथा इस अभियान की सराहना भी कर रहा है।

इस अभियान का मकसद लखनऊ वालों को कचरा प्रबंधन हेतु जागरूक करना है। अक्सर लोग अपने घर का कूड़ा, चाहे गीला हो या सूखा, एक ही कूड़ेदान में डालते हैं, और कूड़ा उठाने वालों को सौंप देते हैं। जबकि नगर निगम लखनऊ की ओर से निरंतर कहा जाता है कि घर में ही गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग किया जाए।

चटोरी गली में लोगों को किया जागरूक

अभियान के पहले दिन लखनऊ की चटोरी गली में लोगों को गीले एवं सूखे कूड़े का बंटवारा करने हेतु जागरुक किया गया, जिसमें मेयर सुषमा खरकवाल भी शामिल हुइ। अभियान के तहत रेडएफएम और लखनऊ नगर निगम की टीम ने शहर के विभिन्न इलाकों जैसे फूड ज्वाइंट्स, स्कूलों, पार्कों और कालोनियों का दौरा किया तथा लोगों को अपनी आदत बदलने और सूखे व गीले कचरे के लिए अलग-अलग कूड़ेदान का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं रेडएफएम ने ऐसे लोगों को वेरिफाइड स्टीकर देकर सम्मानित भी किया जिन्होंने पहले से ही घर में कचरा प्रबंधन किया था। रेडएफएम के इस अभियान को न सिर्फ लखनऊ वासियों ने सराहा, बल्कि कई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने भी इसको अपने सोशल मीडिया हैंडल से शेयर किया।

इसी बात पर लोगों को जागरूक करने हेतु रेडएफएम का यह 'बंटवारा' अभियान शुरू किया गया है।

कांग्रेस चुनावी तैयारी में जुटी

राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में बढ़ाएगी पैठ

- सचिन-गहलोत, कमलनाथ-दिग्विजय, बघेल-टीएस को दी जिम्मेदारी
- राहुल-प्रियंका-खरगे मथेंगे राज्यों को

गीताश्री

नई दिल्ली। 2024 लोक सभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने विधान सभा चुनावों को जीतने के लिए अपने कील-कांटे मजबूत करने शुरू कर दिए। सबसे पहले पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल व टीएस सिंह देव के बीच सुलह करवाकर वहां पर जीत की राह सुनिश्चित की। उसके बाद मध्य प्रदेश में कमलनाथ व दिग्विजय सिंह को पूरी तरह से वहां की जिम्मेदारी दे दी है।

वे दोनों वहां पर शिवराज सरकार को घेरने में लग गए हैं। कांग्रेस के लिए तीसरा सबसे महत्वपूर्ण राज्य राजस्थान है जहां पर वह अपनी सरकार की सता को बरकरार रखने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। इसके लिए सीएम अशोक गहलोत व पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट के बीच चल रहे विवादों को खत्म करने का प्रयास किया गया उसका परिणाम आया कि पायलट ने कह दिया है कि अगले चुनाव में पूरी मजबूती से उतरेंगे और सत्ता पर कब्जा बरकरार रखेंगे।

भाजपा सरकार को हर मुद्दे पर घेरेगी

मध्यप्रदेश में पूरी ताकत झोंक रही कांग्रेस

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक रही है। कांग्रेस ने आने वाले 50 दिनों में पूरे मध्यप्रदेश में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की छह सार्वजनिक रैलियां आयोजित करने की योजना बनाई है। पार्टी राज्य में अपने अभियान को बढ़ाने की योजना बना रही है। उसका मानना है कि बीजेपी से सत्ता हासिल करने का उसके पास अच्छा मौका है। 13 जून को प्रियंका गांधी ने जबलपुर में एक विशाल रैली की थी। इसके साथ ही प्रदेश में पार्टी ने चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी थी। प्रियंका गांधी राजनीतिक रूप महत्वपूर्ण ग्वालियर में 22 जुलाई को एक रैली करने वाली हैं। वहीं, 25 अगस्त को तीन ओबीसी, एससी और एसटी की अत्याधिक आबादी वाले क्षेत्रों में रैली होगी।यह निर्णय सोमवार को कमलनाथ और एआईसीसी के महासचिव केसी वेणुगोपाल के नेतृत्व में राज्य के वरिष्ठ नेताओं के बीच एक बैठक में लिया गया। इस दौरान पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, अजय सिंह राहुल, एआईसीसी के प्रदेश प्रभारी जेपी अग्रवाल सहित अन्य लोग शामिल हुए हैं।

भ्रष्टाचार को बनाएगी मुख्य मुद्दा

कांग्रेस एमपी शिवराज सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार को मुख्य मुद्दा बना रही है। कांग्रेस कथित अनियमितताओं और घोटालों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। साथ ही बीजेपी सरकार के खिलाफ आरोप पत्र लाने की योजना बना रही है। इसमें महाकाल लोक निर्माण का मुद्दा प्रमुख है। साथ ही सीएम की लोकलुभावन घोषणाओं को भी कांग्रेस मुद्दा बनाएगी। दरअसल, कांग्रेस का कहना है कि सीएम शिवराज ने 18 सालों में 22 हजार घोषणाएं की है। इन घोषणाओं के आधार पर सीएम से कांग्रेस सवाल करेगी। यह उस आरोपपत्र का भी हिस्सा है, जिसे पार्टी आने वाले हफ्तों में जारी करेगी।

राजस्थान में पायलट-गहलोत विवाद सुलझाने की कोशिश

छत्तीसगढ़ में जारी कलह को शांत करने के बाद अब कांग्रेस आलाकमान की नजर राजस्थान पर है, जहां सचिन पायलट और सीएम अशोक गहलोत के बीच तनातनी खत्म होने का नाम नहीं ले रही। अब राजस्थान को लेकर कांग्रेस की एक अहम बैठक हुई है। जिसमें राहुल गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, केसी वेणुगोपाल और सचिन पायलट समेत कुल 30 नेता शामिल हुए। सीएम अशोक गहलोत भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस बैठक से जुड़े। इस दौरान राहुल गांधी और खरगे ने राजस्थान में फिर से कांग्रेस की सरकार बनने का दावा किया।

गहलोत ने मानी पायलट की मांग

इस बैठक से एक दिन पहले, मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा था कि राजस्थान सरकार भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामलों में सजा को मौजूदा 10 साल से बढ़ाकर आजीवन कारावास तक करने के लिए अगले विधानसभा सत्र में एक विधेयक लाएगी। पायलट ने अपनी जन संघर्ष यात्रा के दौरान प्रदेश सरकार के सामने तीन मांग रखी थीं जिनमें राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) का पुनर्गठन, सरकारी परीक्षा

के प्रश्नपत्र लीक से प्रभावित युवाओं को मुआवजा और पिछली वसुंधरा राजे सरकार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप की उच्च स्तरीय जांच शामिल थी।

जल्द उम्मीदवारों का हो सकता है चयन

इसके साथ ही कांग्रेस उम्मीदवारों के चयन पर विचार कर रही है। उन 65 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा पहले करेगी, जहां बीजेपी 20-30 सालों से नहीं हारी है। इसके बाद बीजेपी के कब्जे वाली सीटों पर उम्मीदवारों के नाम तय किए जाएंगे। कांग्रेस के कब्जे वाली सीटों पर उम्मीदवारों के नाम सबसे बाद में तय किए जाएंगे।

हम सबका गुट एक है : पायलट

सचिन पायलट ने कहा कि हम सब एक हैं। हम सबका गुट एक है ही और वह राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे हैं। वेनुगोपाल ने बैठक की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बैठक बेहद उपयोगी रही।सीएम और पीसीसी चीफ समेत राजस्थान कांग्रेस के 29 नेताओं ने इसमें शिरकत की। सभी नेताओं ने एकसाथ कहा कि कांग्रेस इस साल राजस्थान विधानसभा चुनाव जीत सकता है। राजस्थान कांग्रेस में एकजुटता है, आज, सभी नेताओं ने

तय किया कि एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे। जीतने की क्षमता रखने वालों को उम्मीदवार बनाया जाएगा। सितंबर के पहले सप्ताह में उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की जाएगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

टमाटर की कीमतें बिगाड़ रही कानून व्यवस्था!

लोग सरकार से इनको नियंत्रित करने की मांग कर रह हैं पर सरकार सुध नही ले रही है। हालांकि कुछ राज्य सरकारें टमाटर को राशन की दुकान पर बेंचने की योजना बना रही हैं। फिलवक्त तो सराकर से यही अपील है कि काई ऐसा तरीका बनाए ताकि खाद्य पदार्थों की कीमते नियंत्रण में रहे।

देश में टमाटर की कीमतें बढ़ने का असर देश के कानून व्यवस्था पर पड़ने लगी है। कही टमाटरों की चोरी व लूट हो रही तो कही उस पर सोशल मीडिया मीम्स बनाए जा रहे हैं। टमाटरों के दाम बढ़ने से लोगों का जायका भी बिगड़ रहा है। टमाटर ही नहीं कमोवेश अन्य सब्जियों के दाम भी चढ़े हुए हैं। दालों की कीमतें भी आसमान छु रही हैं। लोग सरकार से इनको नियंत्रित करने की मांग कर रह हैं पर सरकार सुध नहीं ले रही है। हालांकि कुछ राज्य सरकारें टमाटर को राशन की दुकान पर बेंचने की योजना बना रही हैं। फिलवक्त तो सरकार से यही अपील है कि कोई ऐसा तरीका बनाए ताकि खाद्य पदार्थों की कीमते नियंत्रण में रहे। क्योंकि अगर से अनियंत्रित हो जाती हैं तो परिवार का बजट बिगड़ जाता है जिससे व्यक्ति ही नहीं देश की आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होती। आर्थिक स्थिति बिगड़ेगी तो जाहिर सी बात सामाजिक परिवेश भी प्रभावित होगी, और शायद इसलिए जब किसी वस्तु की कीमत बढ़ती है तो उस वस्तु को पाने के लिए गलत तरीकों का प्रयोग भी करने की कोशिश करने लगते है जिससे अराजकता फैलती है।

अभी हासन जिले के गोनी सोमनहल्ली गांव की महिला किसान धरानी ने बताया कि दो एकड़ जमीन पर टमाटर की फसल उगाई थी। फसल काटकर बेंगलुरु के बाजार में बेचने की योजना बना रही थीं। देश में टमाटर की कीमतों ने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। देशभर में टमाटर के दाम 100-150 रुपये प्रति किलो तक पार हो गए हैं। आलम ये है कि आम नागिरकों के लिए खाने में टमाटर का इस्तेमाल करना हकीकत से काफी दूर है। टमाटर की बढ़ती कीमतों के बीच कर्नाटक के हासन जिले में चोरों ने एक किसान के खेत से लाखों रुपये के टमाटरों पर हाथ साफ कर दिया है। टमाटरों की चोरी का मामला चार जुलाई की रात का है। हासन जिले के गोनी सोमनहल्ली गांव की महिला किसान धरानी ने आरोप लगाया कि उसके खेत से 2.5 लाख रुपये के टमाटर चोरी हो गए। उन्होंने बताया कि उसने दो एकड़ जमीन पर टमाटर की फसल उगाई थी। टमाटर की फसल काटकर वो उसे बेंगलुरु के बाजार में बेचने की योजना बना रही थीं, लेकिन तभी चोरों ने टमाटरों पर हाथ साफ कर दिया। बता दें, फिलहाल बेंगलुरु में टमाटर की कीमत 120 रुपये प्रति किलोग्राम से ऊपर पहुंच गई है। धरानी ने हलेबीडु पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि हमें सेम की फसल में भारी घाटा हुआ था, इसलिए कर्ज लेकर टमाटर उगा लिए। हमारी फसल अ छी हुई और संयोग से अभी टमाटरों की कीमतें भी ऊंची थीं। लेकिन, चोरों ने टमाटर की 50-60 बोरियां लेने के अलावा हमारी बाकी खड़ी फसल भी नष्ट कर दी। पुलिस का कहना है ये पहली बार है जब उनके थाने में टमाटर चोरी जैसा कोई मामला आया है। जांच की जा रही है। धरानी के बेटे ने भी राज्य सरकार से मुआवजे की गुहार लगाई और जांच की मांग की है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आपदा भी लाती हैं पहाड़ों में सड़कें

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

पहाड़ की सड़कें स्थानीय लोगों के परिप्रेक्ष्य में आपदाओं के उत्प्रेरक के तौर पर देखी जा रही हैं। वर्तमान में हिमाचल के कई जिलों व उत्तराखंड के चमोली, टिहरी, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ बागेश्वर के कई गांवों में गिरते शिलाखंडों, मलबे, दरकती जमीनों से लोग भयभीत हैं। सौ से अधिक ऐसे गांवों के भयभीत लोग जो अपने गांवों को कहीं अन्यत्र पुनर्वासित देखना चाहते हैं, अपने कष्टों का कारण गांवों के ऊपर या नीचे से जाने वाली सड़कों को मानते रहे हैं। परन्तु साथ ही लोग सड़कों के पास रहने का लोभ भी नहीं रोक पाते हैं। सड़कें बेहतर भविष्य की आस तो जगाती हैं वहीं सड़कों के बनने के बाद आसपास की जमीनों के भाव भी बढ़ जाते हैं।

चौड़ी और फोरलेन सड़कें बनाने के लिए पहाड़ों को ज्यादा गहराई तक काटना पड़ता है। उन्हें ज्यादा विस्फोटों से उड़ाना होता है। ऐसे में सड़कजनित आपदाएं भी ज्यादा गहराने और पसरने लगती हैं। जगह-जगह ऐसे लिखे बोर्ड लगे हैं कि सड़कों के इन हिस्सों में रुके रहना भी खतरनाक है। वाहन चालकों को सलाह रहती है कि वे चलते रहें, रुके नहीं। ऐसी घटनाएं हुई? हैं जब खड़े वाहनों व चलते लोगों पर ऊपर से आकर मलबा-पत्थर गिरे हैं और लोगों की मौतें हुई हैं। सड़कों को लेकर तीर्थयात्रियों व पर्यटकों का फंसना ही खबर बनती है। लेकिन पहाड़ी सड़कों से आने वाली आपदाओं के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान नहीं दिया जाता है। उत्तराखंड में सड़कों के संदर्भ में नुकसान मुख्य मार्गों से हटकर, शाखा मोटर सड़कों पर भी बहुत होता है। विडम्बना यह भी है कि तात्कालिक सड़कों को खोलने के लिए जो उपाय किये जाते हैं, उनसे भी कई बार समस्याएं बढ़ जाती हैं। बड़ी-बड़ी मशीनें तेजी से गहराई तक पहाड़ों को काटकर तात्कालिक रास्ता तो साफ कर देती हैं, परन्तु इस प्रकार जो स्थिर ढाल अस्थिर हो जाते हैं और उन्हें ठोक-पीटकर साथ ही साथ, जो स्थिर करने की आवश्यकता होती है, वह नहीं किया जाता है। ऐसी स्थितियों में भारी बोल्डर्स लुढ़कते रहते हैं। सड़कों के समीप भयाक्रांत अधिकांश ग्रामीणों का यही कहना है कि सड़कों पर रोक दीवार अवश्य बनाई जानी चाहिए।

सड़कों के अपने होनेभर के महत्व के अलावा यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि सड़कों से क्या आ रहा है, क्या जा रहा है। सड़कों को बनाने का उद्देश्य क्या है। सड़कें जरूरत पूरा कर रही हैं

या जरूरतों को बड़ा रही हैं। अंतराल के बीहड़ क्षेत्रों में, एक खदान मालिक खनिजों के दोहन को आसान बनाने के लिए या बड़ी-बड़ी परियोजनाओं वाले भारी वाहनों व मशीनों को पहुंचाने के लिए सड़क बनवा सकता है। राजनीतिक, सामरिक व व्यावसायिक कारणों से भी सड़कें स्वीकृत की जाती हैं। पहाड़ों में सामाजिक जानकारों व चिंतकों को यह सवाल दशकों से बेचैन किये हुए है कि ऐसा क्यों होता है कि पहाड़ों में अंतराल तक तो छोटे-बड़े भार वाहन भर-भर कर पहुंचते हैं, परन्तु वहां से लौटते हुए अधिकांश खाली ही होते हैं। यह इस बात का भी संकेत है कि पहाड़ प्रमुखत: खरीददार हैं, विक्रेता नहीं। क्षेत्र की यह वांछित आर्थिक दिशा नहीं हो सकती है। आज इन सवालों पर बेहद संजीदगी से विचार करना जरूरी हो गया है, खासकर तब जब सैकड़ों उदाहरण यह दिखा रहे हैं कि सड़कों की राह पहाड़ों में, खेत, मकान, दुकान तक निरंतरता वाली आपदाएं भी पहुंचाती है। अन्यत्र भी विश्व के पर्वतवासी, सड़कों को लेकर, इन्हें सदैव खुशहाली के वाहक के रूप में नहीं देखते हैं। पहाड़ों के संदर्भ में एक विडम्बना भरा तथ्य यह भी है कि कोई जरूरी नहीं है कि पहाड़ों में मोटर सड़कों की दूरियां कम हुई हों। ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिल जायेंगे जब दो गांवों के बीच की पैदल दूरी आधा किलोमीटर हो, किन्तु मोटर सड़कों से वह दूरी सात किलोमीटर हो। परन्तु अब सड़कों पर भरोसा करके अवरोधित होने पर, उन्हीं कम दूरियों को पैदल तय करने के बजाय, घंटों सड़क खुलने का लोग इंतजार करते हुए भी मिल जायेंगे। सड़कों पर अति विश्वास के कारण किसानों व बागवानों को भारी नुकसान भी उठाना पड़ जाता है। ठीक उस समय जब फलों की या खेती की अन्य नकदी फसलें तैयार रहती हैं और उनको बेचने का समय रहता है, उसी समय मोटर सड़कें, कई-कई दिनों तक अवरोधित हो जाती हैं। रज्जु मार्ग, खच्चर, कुछ सड़कें, जंगल के कानून, कहीं जीप, कहीं वाहन, कहीं भारी वाहन, जल मार्ग चौड़ाई कम सब मौसमी सड़कें कई जगह राजनीतिक दबाव में तो बन जाती हैं, लेकिन नेता इतना दबाव नहीं कायम कर सकते हैं कि बड़ी बसों का चलना वहां सुनिश्चित करवा सकें। क्योंकि परिवहन कम्पनियों को वहां फायदा नहीं होता है। छोटे वाहन स्वरोजगार भी देते हैं।

सीमाएं लांघती ग्लोबल वार्मिंग को रोकने की चुनौती

मुकुल व्यास

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि तेजी से गर्म होती दुनिया अगले कुछ वर्षों में पहली बार एक प्रमुख तापमान सीमा को लांघ सकती है। मानव गतिविधियों से उत्सर्जन और इस वर्ष के अंत में संभावित अल नीनो प्रभाव के कारण इसकी आशंका बढ़ रही है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस बात की 66 प्रतिशत संभावना है कि हम चार साल के अंदर 1.5 सेल्सियस की ग्लोबल वार्मिंग सीमा को पार कर लेंगे। वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि तापमान की इस सीमा को पार करना अस्थायी हो सकता है लेकिन फिर भी यह चिंता की बात है क्योंकि दहलीज से टकराने का मतलब होगा कि दुनिया 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध के दौरान उत्पन्न गर्मी से 1.5 सेल्सियस अधिक गर्म हो जाएगी। ध्यान रहे कि 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में औद्योगीकरण से जीवाश्म ईंधन के उत्सर्जन ने पृथ्वी का तापमान बढ़ाना शुरू कर दिया था। तापमान की सीमा यदि एक साल के लिए भी टूटती है तो भी यह एक विचलित करने वाली बात है क्योंकि इससे संकेत मिलता है कि वार्मिंग धीमी होने के बजाय तेज हो रही है।

यह 1.5 सेल्सियस का आंकड़ा वैश्विक जलवायु परिवर्तन वार्तालाप का प्रतीक बन गया है। विभिन्न देश 2015 के पेरिस समझौते के तहत वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 सेल्सियस तक सीमित करने के लिए प्रयासों को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए थे। यदि एक या दो दशक तक हर साल तापमान 1.5 सेल्सियस से ऊपर गया तो हम वार्मिंग के अधिक प्रभाव देखेंगे। ये प्रभाव लंबी गर्मी, प्रचंड लू, अधिक तीव्र तूफान और जंगल की आग के रूप में सामने आएंगे। लेकिन अगले कुछ वर्षों में तापमान वृद्धि की सीमा पार होने का मतलब यह नहीं होगा कि पेरिस समझौते द्वारा तय सीमा टूट जाएगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी भी समय है जब हम उत्सर्जन में तेजी से कटौती करके ग्लोबल वार्मिंग को रोक सकते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन 2020 से किसी एक वर्ष में 1.5 सेल्सियस सीमा को पार करने की आशंकाओं का अनुमान दे रहा है। तब उसने भविष्यवाणी की थी कि आने वाले पांच वर्षों में 1.5 सेल्सियस की सीमा तोड़ने की आशंका 20 प्रतिशत से कम है। लेकिन पिछले साल तक यह संभावना 50 प्रतिशत हो गई और अब यह बढ़कर 66 प्रतिशत हो गई है। इसका अर्थ यह है कि तापमान वृद्धि की सीमा लांघे जाने की आशंका बहुत बढ़ गई है।

एक और चिंता की बात यह कि दुनिया के समुद्र तेजी से गर्म हो रहे हैं। समुद्र की सतह के तापमान को उपग्रह से मापने का सिलसिला 1980 के दशक में शुरू हुआ था। तब से हर रिकॉर्ड को तोड़ते हुए समुद्र की सतह का तापमान अब तक के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गया है। इस साल अप्रैल के पहले दिनों में तापमान का वैश्विक औसत 21.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। यह 21 डिग्री सेल्सियस का पिछला रिकॉर्ड मार्च 2016 में स्थापित किया गया था। अमेरिका के मेने विश्वविद्यालय के जलवायु डेटा के अनुसार, दोनों तापमान 1982 और 2011 के बीच वैश्विक औसत से एक डिग्री अधिक हैं। नया रिकॉर्ड जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न गर्मी का परिणाम है। अमेरिका के समुद्र वैज्ञानिक माइकल मैकफैडेन ने कहा कि अब ला निनिया प्रभाव खत्म हो चुका है और उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर गर्म होने लगा है।

ध्यान रहे कि ला निनिया पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में ठंडी सतह के तापमान का एक प्राकृतिक सागर चक्र है जो तीन वर्षों से चल रहा था। यह चक्र मार्च में समाप्त हो गया। चाहे समुद्र की सतह हो, जमीन की सतह हो या वायुमंडल हो, हर तरफ मुख्य प्रवृत्ति वार्मिंग की है। जैसे ही वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसें जमा होती हैं,ये तीनों गर्म होने लगते हैं। लेकिन ये रुझान ला निनिया और अल नीनो चक्रों के आधार पर थोड़ा ऊपर-नीचे होते हैं। गौरतलब है कि अल नीनो के प्रभाव वाले वर्षों के दौरान प्रशांत की सतह गर्म हो जाती है। साल 2022 में ग्रीनहाउस गैस की सघनता अब तक सबसे अधिक थी लेकिन वैश्विक सतह तापमान के हिसाब से वह सबसे गर्म वर्ष नहीं था। ऐसा ला निनिया की वजह से हुआ। साल 2016 रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष था और वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैस के अधिक बोझ और अल नीनो के कारण ऐसा हुआ। इस मिश्रण ने वैश्विक सतह के तापमान को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा दिया।

इस साल की पहली तिमाही प्रशांत अल नीनो और ला निनिया से मुक्त रही है। लेकिन पूर्वानुमान मॉडल ने इस साल के अंत में अल नीनो चक्र शुरू होने की 60 प्रतिशत आशंका जताई है। इसका मतलब यह है कि हम एक और रिकॉर्डतोड़ गर्मी के वर्ष का सामना कर सकते हैं। आम तौर पर इन समुद्री चक्रों के शुरू होने और सतह के तापमान के गर्म होने के बीच एक अंतराल होता है। यह संभावना है कि एक बड़ा अल नीनो प्रभाव होने पर हम 2024 में गर्मी का एक नया रिकॉर्ड देख सकते हैं। फिर भी शुरुआती रुझान से अल नीनो की भविष्यवाणी करना मुश्किल है क्योंकि महासागरीय प्रणाली अस्थिर है और वह आसानी से एक पैटर्न से दूसरे में जा सकती है। जलवायु वैज्ञानिक अभी भी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि समुद्र के गर्म होने से ला निनिया और अल नीनो के विशिष्ट चक्रों में बदलाव कैसे आएगा। लेकिन आम सहमति यह है कि दोनों दिशाओं में चरम प्रभाव अधिक बार होंगे। बड़े अल नीनो और उनके साथ प्रशांत क्षेत्र में समुद्र की सतह के उच्च तापमान का सिलसिला 21वीं सदी के अंत तक दोगुना हो सकता है। इसका अर्थ यह है कि ये प्रभाव लगभग हर 20 साल के बजाय, हर 10 साल में हो सकते हैं।

पपीता

पपीता गर्मियों का एक ऐसा फल है जिसे अगर सुबह-शाम खाया जाए, तो यह मल त्याग को बढ़ा सकता है। यह स्वादिष्ट फल आपकी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें पपेन नामक पाचक एंजाइम होता है, जो कब्ज से राहत दिलाने में मदद करता है। पपीता आपकी पाचन क्रिया को ठीक रखता है। आप इसका सेवन हर दिन कर सकती हैं। पपीता मुख्य रूप से अमेरिका के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में उगाया जाता है। पपीता भारत में मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल, असम, ओड़िसा, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में उगाया जाता है।

कीवी

कीवी एक हाई फाइबर वाला फ्रूट है। एक कीवी में 2 ग्राम से अधिक फाइबर पाया जाता है जोकि आपकी रोजाना की फाइबर की जरूरत का लगभग 8 प्रतिशत है। यूरोपियन जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में 2018 की समीक्षा से पता चलता है कि कीवी पेट की परेशानी को कम कर सकता है और कब्ज को रोक सकता है। कीवी में प्रोटीन की अच्छी मात्रा होती है, जो शरीर में वसा की मात्रा को बढ़ने नहीं देता है। इसकी मदद से शरीर का वज़न नहीं बढ़ता। जो लोग बढ़ते वज़न से परेशान हैं, उनको कीवी रोज़ाना खानी चाहिए।

इन पांच फलों में होता है भरपूर मात्रा में फाइबर

आंतों में नहीं रहेगी गंदगी

कब्ज
वैसे तो आम समस्या है लेकिन इसे नजरअंदाज करने से बवासीर की समस्या भी हो सकती है, इससे राहत पाने के लिए नीचे बताए फलों का सेवन करें। गर्मी के दिनों तापमान बढ़ने और पसीना बहने की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन हो सकता है जिससे आपको कब्ज की समस्या हो सकती है। गर्मियों में भूख भी कम लगती है और यही वजह है कि इन दिनों अधिकतर लोग कब्ज के अलावा सूजन, एसिडिटी, सीने में जलन और अपच जैसी समस्याओं से पीड़ित रहते हैं। कब्ज होने पर मल त्याग मुश्किल हो जाता है और मल बहुत कठोर हो जाता है। इससे आपको सूजन, पेट में दर्द, ऐंठन, मतली या उल्टी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। कब्ज का क्या इलाज है? गर्मियों में कब्ज से राहत पाने के लिए आपको खूब सारा पानी पीना चाहिए। बेशक इन दिनों भूख कम लगती है लेकिन आपको अपना भोजन नहीं छोड़ना चाहिए। कई फल हैं जिनमें फाइबर की अधिक मात्रा पाई जाती है और इनके सेवन से आपको कब्ज से राहत मिल सकती है।

काली किशमिश और आलूबुखारा

कब्ज की समस्या से बचने के लिए आपको काली किशमिश या सूखा आलूबुखारा का सेवन करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इन्हें रातभर पानी में भिगोकर रखने और सुबह खाली पेट खाने से पुरानी से पुरानी कब्ज से राहत मिल सकती है। इसके अलावा काली किशमिश का सेवन शरीर से एनिमिया और हीमोग्लोबिन जैसे समस्याओं को कुछ हद तक कम करने में लाभकारी माना जाता है। क्योंकि काली किशमिश में भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है जिससे शरीर में खून की कमी को दूर करने में सहायता मिल सकती है।

संतरे

रसदार और मीठे संतरे कब्ज को दूर रखने का सबसे बढ़िया उपाय है। संतरे में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है और इसके अलावा इसमें विटामिन सी भी होता है जो आपको भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट देता है। संतरे वैसे तो खट्टा होता है पर यह काफी अधिक स्वादिष्ट भी होता है इसके उपर एक कवर होता है और उसके बाद उसको छिलकर इसको खाया जाता है इसके बारे मे आपको पता होना चाहिए । वैसे आपको बतादें कि संतरे के अंदर कई सारे पोषक तत्व पाये जाते हैं।

सेब

कब्ज से बचने के लिए आपको रोजाना सेब खाना चाहिए। सेब खाने से पेट संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद मिलती है। होपकिंस मेडिसिन की एक रिपोर्ट सेब में पेक्टिन होता है जो एक घुलनशील फाइबर है जो कब्ज से राहत दिलाने के लिए जाना जाता है। सेब को छिलके सहित खाना चाहिए क्योंकि इसमें भी फाइबर होते हैं। जब भी आपका इम्यून सिस्टम खराब हो और आपको अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाना हो तो सेब का सेवन शुरू कर दे। सेब में ऐसे तत्व होते है जो रोग - प्रतिरोधक क्षमता को हमारे शरीर में बढ़ावा देते है जिससे हमें रोगों से लड़ने में काफी मदद मिलती है।

हंसना मना है

मरीज को डॉक्टर आखिरकार समझा पाया कि ये ऑपरेशन कितना जरूरी है लेकिन जैसे ही उसने 8 लाख का खर्चा बताया मरीज ने फिर मना कर दिया। डॉक्टर बोला — तुम पहले 2 लाख जमा कर दो , बाकी 22 हजार हर महीने किस्तों में दे देना। मरीज बोला — ये तो ऐसे हो गया, जैसे मैं कोई कार ले रहा हूं। डॉक्टर बोला — कह तो सही रहे हो.. लेकिन कार तुम नहीं मैं ले रहा हूं।

1 मुर्गी ने बत्तख से शादी कर ली, मुर्गा हम मर गये थे क्या? मुर्गी: मैं तो तुमसे ही शादी करना चाहती थी पर मोम-डैड चाहते थे लड़का नेवी में हो?

अगर लड़के के पास 2500 रुपये हैं और फिर लड़की ने उसको हल्की सी मुस्कान दी तो, लड़के के पास कितने रुपये बचेंगे?

काका- कमर में बहुत दर्द है, जरा गुप्ता जी के घर से आयोडक्स ले आओ। काकी- वो नहीं देंगे वो बहुत कंजूस है। काका- हां, है तो खानदानी कंजूस साले, पता नहीं इतना पैसा लेकर कहां जाएंगे, मर जाएंगे यू ही, ऐसा करो तुम अलमारी से अपनी ही निकाल लो, दर्द कुछ ज्यादा ही है?

कहानी | नेकी की राह

एक बार की बात है एक गांव में छोटी सी लड़की रहती थी। एक बार शीत ऋतु अपने चरम पर थी। चारों ओर पहाड़ों और जंगलों से घिरा हुआ एक सुंदर सा गांव था। छोटी लड़की ने अपनी सहेली के घर जाने की इच्छा हुई । फिर वह अपने घर से हाथ में सिर्फ एक रोटी का टुकड़ा लेकर चली, फिर उसने सड़क के किनारे एक बूढ़े को देखा। बूढ़ा बोला- मैं भूखा हूं ,उसने कहा मुझे कुछ खाने को दो! लड़की ने उसे रोटी का टुकड़ा दे दिया। वृद्ध ने अपने दोनों हाथ उठाकर उस छोटी सी लड़की को आशीर्वाद दिया फिर थोड़ा आगे जाने पर उसे एक छोटा बच्चा मिला, बच्चे ने लड़की से प्रार्थना कि मुझे ओढ़ने के लिए कुछ दे दो। लड़की ने थोड़ी देर सोचने के बाद झटपट अपना साल निकालकर उसे दे दिया। फिर लड़की थोड़ा आगे गई और देखा एक बच्चा ठंड से कांप रहा था ,लड़की को उस पर दया आ गई। उसने अपनी मफलर से बच्चे को ढक दिया। फिर थोड़ा आगे चलने के बाद अब वह खुद सर्दी से कांपने लगी , तो वह एक पेड़ के नीचे दुबक कर बैठ गई। अगले ही पल उसने तारों को आसमान से नीचे गिरते देखा। उसने जब गौर से देखा तो वे सोने के सिक्के थे, उसका शरीर सुंदर कपड़े से ढक गया, उसके पैरों में जूते थे ,गले में मफलर थी। उसके सामने एक सुंदर सी टोकरी थी, जो फलों और मिठाइयों से भरी हुई थी। भगवान ने उसकी दयालुता के लिए उसे आशीर्वाद और इनाम दिया था।
कहानी से सीख- हमें इस कहानी से सीख मिलती है कि हमें दूसरों की भलाई करनी चाहिए जिसका फल हमें ऊपर वाला देता है।

7 अंतर खोजें

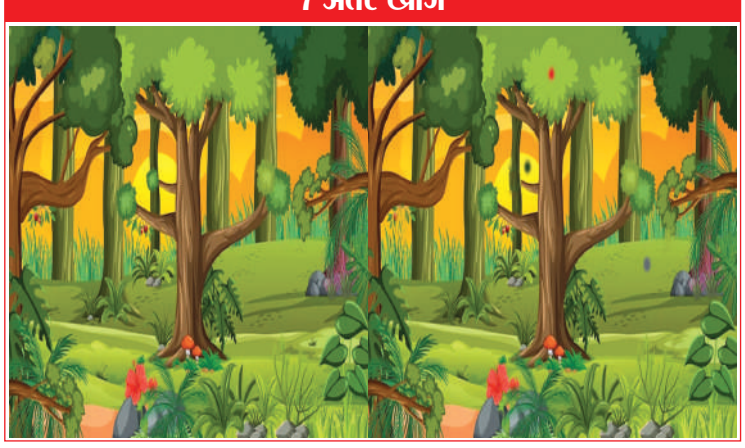

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

इस राशि वाले आज अपने पराक्रम व जौहर का भरपूर लाभ उठाएगे। कारोबार और नौकरी में सोचे हुए काम हो जाएंगे। हालांकि आलस्य की अधिकता रहेगी।

वृषभ

आज नये कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी, जिससे आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा और भी अधिक मजबूत होगा।

मिथुन

आज भागीदारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इस कारण आप बेचैन और अनिश्चित हो सकतें है। आर्थिक पक्ष अस्थिर हो सकता है।

कर्क

आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आसानी से काफी वक्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। जरूरत से ज्यादा वक्त व पैसा मनोरंजन पर खर्च न करें।

सिंह

आज कोई खास खबर मिलने के योग हैं। लॉ स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई-लिखाई में थोड़ा बदलाव करने की सोच सकते हैं, जो कि उनके भविष्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

कन्या

कार्य व्यापार अच्छा रहेगा, किन्तु आर्थिक रूप में दिन कुछ उठापटक वाला रह सकता है। नौकरीपेशा जातकों को कार्यस्थल पर कामों में सफलता मिलेगी।

तुला

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफी वक्त देंगे। घर से बाहर निकल कर देखिए, दुनिया बहुत हसीन है।

वृश्चिक

आज आपकी सारी इच्छाओं की पूर्ति होगी। व्यापार के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है। आपकी यात्रा सुखद रहेगी।

धनु

आप सभी गतिविधियों में चमकेंगे और इसे चमकाने में भाग्य आपका समर्थन करेगा। नौकरी पेशा जातकों के लिए कोई विशेष कार्य सफलता प्रदान कर सकता हैं।

मकर

नौकरीपेशा लोगों के लिए प्रमोशन की उम्मीद है। स्वास्थ्य समस्याओं के लिए घरेलू उपाय अपनाएं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाकात हो सकती है।

कुम्भ

आज आपको परिवार वालों का पूर्ण स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। आपके कुछ मित्र बहुत ही मददगार साबित होंगे। आज ऑफिस में आपके ड्रेस की तारीफ होगी।

मीन

आपका रचनात्मक कौशल आज चरम पर होगा और आप इसका उपयोग अपने सभी कामों में करेंगे। रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोग अच्छा करेंगे।

एक दूजे पर प्यार लुटाते नजर आए वरुण धवन-जान्हवी कपूर

बॉलीवुड | गपशप

प्राइम वीडियो ने फैंस का इंतजार खत्म करते हुए आज नई रोमांटिक-ड्रॉमा फिल्म बवाल का टीजर रिलीज कर दिया है। फिल्म 21 जुलाई को स्ट्रीम की जाएगी। इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला की नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट और अश्विनी अय्यर तिवारी ने प्रडेयूस किया है। वहीं नितेश तिवारी ने इसे डायरेक्ट किया है। वरुण धवन और जान्हवी कपूर फिल्म में लीड रोल में हैं। फिल्म बवाल के टीजर में अजय (वरुण धवन) और निशा (जान्हवी कपूर) के बीच प्यारे और उभरते रोमांस की झलक दिखाई देती है।

बवाल का टीजर रिलीज

मनोज मुंतशिर के बोल और मिथुन द्वारा रचित, अरिजीत सिंह की दिल को छू लेने वाली आवाज में प्यार भरा गाना तुम्हें कितना प्यार करते हर लम्हे को और भी शानदार बना देता है। टीजर में अजय और निशा की दर्द और प्यार से भरी लव स्टोरी फैंस को काफी पसंद आ रही है।

प्राइम वीडियो, इंडिया में कंटेंट लाइसेंसिंग के डायरेक्टर, मनीष मेंघानी ने कहा, प्राइम वीडियो में हम दुनिया भर के दर्शकों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए, हम अलग-अलग जॉनर, भाषाओं और फॉर्मेट में बेमिसाल टाइटल्स के साथ अपने स्लेट को बढ़ाकर सबसे बेहतरीन कंटेंट को दर्शकों तक पहुंचाने के अपने इरादे पर अटल हैं।

हम तो इस बात से बेहद रोमांचित हैं कि, हम बवाल के रूप में बिल्कुल अनोखी प्रेम-कहानी को 200 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में अपने दर्शकों के सामने पेश करने वाले हैं, जो अलग-अलग देश की सीमाओं, भाषाओं या समय के दायरे से परे है।

राजकुमार हिरानी की फिल्म से धमाकेदार वापसी को तैयार आमिर

बॉलीवुड | मसाला

आमिर खान काफी समय से फिल्मी दुनिया से दूर चल रहे हैं। उनकी आखिरी फिल्म लाल सिंह चड्ढा रिलीज हुई थी, जो फैंस को बिल्कुल पसंद नहीं आई थी। वहीं फैंस उनकी गैर मौजूदगी भी बर्दाश्त नगीं कर पा रहे हैं। दर्शक जल्द ही सआमिर को बड़े पर्दे देखने के लिए बेताब हैं। कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि आमिर खान जल्द 3 इडियट्स के दूसरे पार्ट में नजर आने वाले हैं। अब आमिर खान नई फिल्म के साथ वापसी कर रहे हैं।

आमिर खान ने लाल सिंह चड्ढा के फ्लॉप होने के बाद से एक्टिंग को कुछ समय के लिए अलविदा कह दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आमिर खान ने एक बायोपिक फिल्म में दिलचस्पी दिखाई है। रिपोर्ट के अनुसार आमिर खान और राजकुमार हिरानी एक बार फिर साथ काम करने वाले हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आमिर खान ने इस नए प्रोजेक्ट के लिए हामीभरने का मन बना लिया है। रिपोर्ट में बताया गया कि इस बायोपिक की शूटिंग अगले साल यानी 2024 से शुरू होगी। बायोपिक का निर्देशन करने वाले राजकुमार हिरानी इन दिनों शाहरुख खान फिल्म डंकी की शूटिंग में बिजी हैं। अगर सब कुछ प्लान के मुताबिक हुआ तो आमिर और राजकुमार हिरानी पीके फिल्म के बाद एक फिर धमाल मचाते नजर आएंगे।

राजकुमार हिरानी की डंकी में शाहरुख खान के साथ तापसी पन्नू और विक्की कौशल भी प्रमुख भूमिकाओं में दिखने वाले हैं। यह 22 दिसंबर 20023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बता दें कि आमिर खान और राजकुमार हिरानी की जोड़ी बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई है। आमिर खान और राजकुमार हिरानी ने पहली बार साल 2009 में 3 इडियट्स में साथ काम किया था, जो सुपरडुपर हिट फिल्म थी। इसके बाद दोनों ने पीके फिल्म से धूम मचा दी थी।

बॉलीवुड | उत्साह

लव सिन्हा की चमकी किस्मत, अब सनी देओल के साथ नजर आएंगे !

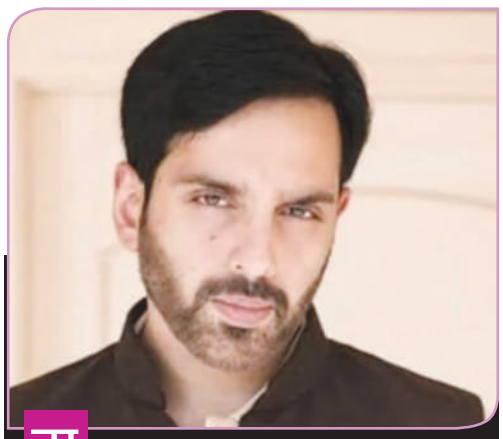

सनी देओल और अमीषा पटेल की गदर 2 को लेकर दर्शकों में अलग ही क्रेज देखने को मिल रहा है। हर दिन इस फिल्म से जुड़ी एक नई अपडेट सामने आ रही है, जो फिल्म के बेसब्री और बढ़ा देती है। अब खबर आई है कि अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी गदर 2 में दिग्गज एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे और सोनाक्षी सिन्हा के भाई लव सिन्हा भी नजर आने वाले हैं। बता दें कि लव को पिछली बार फिल्म पलटन में देखा गया था अब गदर 2 के लिए एक्टर काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म में उन्हें कैमियो करते देखा जाएगा। लव फिल्म में अपने स्पेशल अपीयरेंस से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह अपने छोटे से रोल को भी दिलचस्प अंदाज में पर्दे पर उतारता चाहते हैं। लव ने इस फिल्म में काम करने को लेकर कहा, इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना वाकई बहुत अच्छा है। मैं ओरिजनल गदर के प्रति अपने प्यार के कारण और अनिल शर्मा के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान के कारण फिल्म का हिस्सा बना। उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। हम सभी जानते हैं कि जब गदर रिलीज हुई थी तो उसका कितना प्रभाव पड़ा था। लव ने आगे कहा, हमारे देश में बहुत कम फिल्में ही कल्ट स्टेटस हासिल कर पाती हैं और यह निश्चित रूप से सच है। दर्शकों को गदर 2 से काफी उम्मीदें हैं और ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना बेहद खुशी की बात है। मुझे उम्मीद है कि फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी। पूरी टीम के साथ काम करके मैंने बहुत अच्छा समय बिताया। यह एक समृद्ध और रोमांचक अनुभव था। गौरतलब है कि सनी देओल और अमीषा पटेल की इस फिल्म में एक बार फिर से उत्कर्ष शर्मा को ही तारा और सकीना के बेटे के रोल में देखा जाएगा। गदर 2 अब 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है।

कभी यहां होता था दूल्हों का कैंपस सेलेक्शन पंजीकार करते थे छात्रों के गोत्र का मिलान

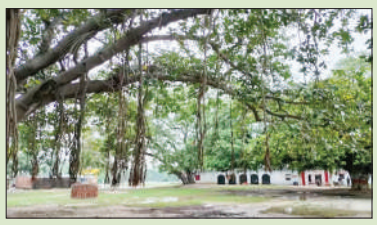

कैंपस सेलेक्शन शब्द आपने खूब सुना होगा। इसका मतलब होता है कि छात्र जिस कॉलेज में पढ़ाई कर रहे होते हैं, वहीं पर कंपनियां आती हैं और अपने पसंद के छात्रों का चयन कर नौकरी पर रखती हैं। क्या आप जानते हैं कि मिथिला राज्य में कभी दूल्हों का कैंपस सेलेक्शन हुआ करता था। गुरुकुल व्यवस्था के दिनों में लड़की वाले इन जगहों पर आते थे और अपनी बेटियों के लिए दूल्हे का सेलेक्शन किया करते थे। जी हां! यह सच है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि यह व्यवस्था कैसे संचालित होती थी और क्या है कहानी। पंजीकार प्रमोद कुमार मिश्र (शादी रजिस्टर्ड करने वाले) बताते हैं कि सैकड़ों वर्ष पहले स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय नहीं होते थे। उन दिनों पढ़ाई करने के लिए गुरुकुल व्यवस्था थी। मिथिला राज्य में तब राज्य के अलग-अलग हिस्सों में 12 ऐसे गुरुकुल थे, जहां छात्र आकर पढ़ाई किया करते थे। पढ़ाई पूरी होने के बाद छात्रों को प्रमाण-पत्र और अंग वस्त्र दिया जाता था। इसके साथ ही गुरुकुल के शिक्षक अपनी बेटियों के लिए मेधावी छात्रों को वर के रूप में सेलेक्ट करते थे। पंजीकार प्रमोद कुमार मिश्र ने बताया कि जब धीरे-धीरे स्कूल कॉलेज खुलने लगे तो गुरुकूल व्यवस्था भी समाप्त होने लगी। ऐसी स्थिति में लोगों ने इन 12 गुरुकुल को बंद करने के बजाए ब्राह्मण परिवार की लड़कियों के लिए दूल्हों के सेलेक्शन स्थल के रूप में विकसित कर लिया। साथ ही बताया कि यहां वर्षों तक निर्धारित तिथियों को दोनों पक्ष के अभिभावक पहुंचते थे। लड़की वाले दूल्हे का वहीं पर चयन करते थे। इससे दूल्हा खोजने में होने वाला खर्च बच जाता था। हालांकि अब ऐसा नहीं के बराबर होता है। पंजीकार प्रमोद कुमार मिश्र की मानें तो छह पुश्तों से उनके परिवार के लोग यहां वर-वधु की जोड़ियों का मिलान करते आ रहे हैं। यहां के पंजीकर के पास मिथिलांचल के हर गांव के ब्राह्मण परिवार का पूरा डेटा होता है। जैसे ही आप अपने गांव और अपने किसी पूर्वज का नाम इन पंजीकारों को बताते हैं, वे आपके पूरे खानदान का नाम, उनका गोत्र, मूल, ननिहाल पक्ष का मूल और गोत्र सारी जानकारी आपके सामने रख देते हैं। इससे रिश्ता तय करते समय मूल और गोत्र संबंधी धोखाधड़ी रुक जाती है।

अजब-गजब | तमिलनाडु के कीजापेरूमपल्लम गांव में स्थित है भगवान शिव का मंदिर

इस शिवलिंग को छूते ही नीला हो जाता है दूध

श्रावण का पवित्र महीना कल 4 जुलाई से शुरू हो गया है। इस बार श्रावण मास 4 जुलाई से शुरू होकर 31 अगस्त को सम्पन्न होगा। इस बार श्रावण में 8 सोमवार आएंगे। बता दें कि हिंदू धर्म में श्रावण मास को बहुत पवित्र माना जाता है। इस महीने में लोग भगवान शिव की पूजा अर्चना कर उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। हमारे देश में भगवान शिव के लाखों मंदिर हैं। इनमें से कुछ मंदिर ऐसे हैं, जो चमत्कारिक हैं। यहां लोगों को अद्भुत चमत्कार देखने को मिलने हैं। भगवान शिव का एक ऐसे ही चमत्कारिक मंदिर के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं।

यह मंदिर के चमत्कार के चर्चे देश नहीं बल्कि पूरे विश्व में हैं। यह मंदिर तमिलनाडु के कीजापेरूमपल्लम गांव में स्थित है। इसका नाम नागनाथस्वामी मंदिर है, जिसे केति स्थल के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर कावेरी नदी के तट पर स्थित है। आपको जानकर हैरानी होगी कि मंदिर में जब श्रद्धालुओं द्वारा शिवलिंग पर दूध चढाया जाता है तो उसका रंग देखते ही देखते नीला हो जाता है।

आश्चर्य की बात है कि इसके रहस्य के बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया है। लोगों को समझ ही नहीं आता कि आखिर ऐसा क्यों होता है। हालांकि यह चमत्कार हमेशा देखने को नहीं मिलता। मान्यता है कि जो लोग केतु ग्रह के दोष से पीड़ित होते हैं, सिर्फ उनके द्वारा ही जो दूध चढ़ाया जाता है उसका ही रंग नीला होता है। बाद में ये रंग फिर से सफेद हो जाता है।

हैरानी इस बात की है कि वैज्ञानिक भी आज तक यह नहीं जान पाए हैं कि आखिर दूध का रंग नीला क्यों हो जाता है। हैरानी की बात यह है कि यह वापस से सफेद रंग का कैसे हो जाता है। इस मंदिर में दूध चढ़ाने के बाद उसका रंग बदलने को लोग चमत्कार कहते हैं। मंदिर में लोग काफी दूर से दर्शन करने आते हैं। मंदिर से जुड़ी एक मान्यता भी है। कहा जाता है कि एक बार महान ऋषि के श्राप से मुक्ति के लिए केतु ने भगवान शिव की आराधना की थी। इसके बाद केतु की तपस्या से खुश होकर भगवान शिव ने शिवरात्रि के दिन केतु को श्राप से मुक्ति दी थी। इसके बाद से ही केतु को समर्पित इस मंदिर मे भगवान शिव का भी माना जाता है।

भाजपा का दानवीय चेहरा सामने आया : अखिलेश

मप्र के पेशाबकांड को इतिहास का शर्मनाक अध्याय बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है सीधी में पेशाबकांड ने भाजपा का दानवीय चेहरा सामने ला दिया है। सपा नेता ने कहा कि भाजपा का अहंकार उसको ले डुबेगा। मध्यप्रदेश के सीधी जिले में एक आदिवासी के साथ घृणित कार्य की आलोचना करते हुए सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा पर आरोप लगाया कि एक भाजपाई ने ये दानवीय घृणित कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सदियों से शोषित-दलित समाज पर किए जा रहे उत्पीड़न के इतिहास का ये एक शर्मनाक अध्याय है। सवाल उठाया कि मध्य प्रदेश में भाजपा के 18 साल के शासन की क्या यही उपलब्धि है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा की गलत नीतियों से जनता को अवगत कराने की विशेष जिम्मेदारी शिक्षक समाज और अधिवक्ता वर्ग की है।

सपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं तथा पार्टी पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी एक दूसरे का सम्मान करें। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार के छह वर्ष में केवल समाजवादी कामों को अपना बताने या उन्हें बर्बाद करने का काम हुआ है। बरसात होते ही पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे धंस गया। इससे पहले बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे भी धंस गया था।

कार्यकर्ता पूरी ईमानदारी और निष्ठा से चुनाव में लगें

अखिलेश ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करना संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है। समाजवादी पार्टी की मांग है कि जातीय जनगणना हो ताकि सभी को बराबरी का हक और सम्मान मिल सके। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सन 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का जीतना आवश्यक है। कार्यकर्ता पूरी ईमानदारी और निष्ठा से चुनाव में लग जाएं तो कोई मुकाबले में नहीं होगा।

नेहा सिंह राठौर पर केस दर्ज

भोपाल। लोकगायिका नेहा सिंह राठौर पर भोपाल के हबीबगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। उन पर यह एफआईआर अपने ट्विटर अकाउंट से एक विवादित ट्वीट पोस्ट किए जाने पर दर्ज कराई गई है, जिसमें आरएसएस का ड्रेस पहने एक व्यक्ति सामने बैठे व्यक्ति पर पेशाब करता दिखाई पड़ रहा है। दावा किया जा रहा है कि यह पोस्ट सीधी कांड से प्रेरित है। सीधी में एक व्यक्ति ने एक आदिवासी युवक पर पेशाब कर दिया था। एफआईआर में गायिका पर आरएसएस और आदिवासी समुदाय में शत्रुता पैदा कराने का आरोप लगाया गया है। उन पर भारतीय दंड संहिता आईपीसी की धारा 153 लगाई गई है। इस धारा में जाति, धर्म, निवास, भाषा जैसे मामलों में दो समूहों में शत्रुता पैदा करने से संबंधित मामले दर्ज किए जाते हैं। दरअसल, नेहा सिंह राठौर ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने अपने लोकप्रिय गाने यूपी में का बा की तर्ज पर जल्द ही एमपी में का बा लाने की बात कही है। पोस्ट में एक मीम भी जोड़ा गया है, जिसमें आरएसएस की ड्रेस पहने एक व्यक्ति को सीधी कांड की तरह एक अन्य व्यक्ति पर पेशाब करते हुए दिखाया गया है। इस पोस्ट में अरेस्ट प्रवेश शुक्ला का हैशटैग भी जोड़ा गया है, जो सीधी कांड का आरोपी था। 6 जुलाई को सुबह 10.39 बजे की गई यह पोस्ट बहुत जल्द चर्चा में आ गई और उसके बाद लोगों ने प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। इसके बाद ही भाजपा के एक कार्यकर्ता सूरज खरे ने इसे आरएसएस और आदिवासियों के बीच वैमनस्यता बढ़ाने का प्रयास मानते हुए इस पर प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच करने की बात कही है।

कैमरे के सामने युवक का पैर धोना चुनावी स्वार्थ की राजनीति : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा पेशाबकांड के पीड़ित आदिवासी युवक को अपने आवास पर बुलाकर उसके पैर धुले और घटना पर दुख व्यक्त किया है। मायावती ने एमपी के मुख्यमंत्री के इस पूरे कृत्य को नाटकबाजी और चुनावी स्वार्थ से प्रेरित करार दिया है। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा सीधी जिले के पेशाबकांड के पीड़ित आदिवासी युवक को लगभग 600 किलोमीटर दूर भोपाल बुलाकर सीएम हाउस में कैमरा के सामने उसके पैर धोना सरकारी पश्चाताप कम नाटकबाजी व चुनावी स्वार्थ की राजनीति ज्यादा लगती है। उन्होंने सवाल किया कि क्या ऐसा नुमाइशी कार्य उचित है। आगे उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में विधानसभा का चुनाव निकट है इसलिए सरकार की ऐसी बेचैनी स्वाभाविक है किंतु पूरे राज्य में खासकर एससी, एसटी, अति पिछड़े व मुस्लिम समाज के साथ ही सर्वसमाज के लोगों का महंगाई व बेरोजगारी आदि से इनका जीवन जितना त्रस्त हुआ है उसका हिसाब वो लोग जरूर मांगेंगे।

तीस हजारी कोर्ट गोलीकांड में तीन वकील गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तीस हजारी कोर्ट परिसर में बुधवार दोपहर दूसरे पक्ष की ओर से भी गोलियां चलाई गईं थीं। दिल्ली बार एसोसिएशन (डीबीए) के सचिव अतुल शर्मा के साथियों में से हेलमेट पहने एक शख्स ने तीन से चार गोलियां चलाई थीं। आरोपी की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। इस शख्स का वीडियो भी वायरल हो रहा है। उत्तरी जिला पुलिस की जांच में ये बात सामने आई है।

वहीं, सब्जी मंडी थाना पुलिस ने जांच के बाद वकील अमन सिंह, रवि गुप्ता और सचिन सांगवान को गिरफ्तार कर तीन से चार दिन के रिमांड पर लिया है। आरोपियों के पास से 3 तमंचे, 4 कारतूस और 2 कारें जब्त की गई हैं। दूसरी तरफ बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने मामले की जांच के लिए कमेटी का भी गठन कर दिया है।

जिला पुलिस उपायुक्त सागर सिंह कलसी ने कहा कि मामले में सब्जी मंडी थाने में दंगा भड़काने, गोली चलाने, आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। सेंटर डिस्ट्रिक कोर्ट के ब्रांच इंस्पेक्टर सुनील कुमार की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है।

ये कैसी राजधानी..सड़कें धसीं, घरों में पानी

» आधे शहर में जलभराव, बिजली व्यवस्था ने भी रुलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बारिश के बाद पूरे शहर में पानी-पानी हो गया है। कई इलाकों में पानी भर गया है। सबसे बुरा हाल सड़कों का है। सड़के जगह-जगह धंस गई हैं। आलम ये है कि लोगों को घरों से निकलना तक दुश्वार हो गया है। बिजली ने अलग से लोगों को हलकान कर दिया है।

कई इलाकों में कई घंटों से बिजली नहीं आ रही है। लोग तो अब ये कहने लगे हैं ये कैसी राजधानी। क्या यही है स्मार्ट सिटी। वृहस्पतिवार-आधे शहर में रुक-रुक हुई तेज से बारिश से शहर में फिर जलभराव हुआ। हजरतगंज, अलीगंज, लालबाग, इंदिरा नगर, गोमती नगर, महानगर, विकास नगर में तो जोर की बारिश हुई मगर आलमबाग, आशियाना आदि इलाकों में मामूली बारिश हुई। जिससे इन इलाकों में जलभराव नहीं हुआ।

नाले चोक, कूड़ा घरों में घुसा

तेज बारिश के कारण पुराने लखनऊ में सुरंग नाला चोक होने 30 से अधिक घरों के अंदर पानी बैक पलो होने से भर गया। जिससे उनमें रहने वाले लोग घर में कैद हो गए। उनका फर्नीचर व खाने पीने का सामान भी खराब हुआ। इसके अलावा शहर के कई पॉश और आम इलाकों में नाला चोक होने और नाला-नालियों पर अतिक्रमण होने से जलभराव हुआ। बारिश के चलते सड़क धंसने और दीवार गिरने की घटनाएं भी हुईं। शहर कई इलाकों में सड़क धंस गई। जहां पर सड़क धंसी है वहां पर सीवर का मैनहोल है। सड़क धंसने से आने-जाने में खतरा हो गया है। पेपर मिल कालोनी वार्ड के पार्षद प्रमोद राजन ने बताया पुलिस लाइन की दीवार ढह गई। इसके कारण यहां न्यू हैदरबाद में जल निकासी केलिए जो नाला बना था वह भी ढह गया।

नीदरलैंड ने आईसीसी विश्वकप के लिये क्वालीफाई

» स्कॉटलैंड को चार विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुलावायो। नीदरलैंड ने आल राउंडर बास डि लीडे के शतक की बदौलत शानदार वापसी करते हुए स्कॉटलैंड को चार विकेट से हराकर पांच अक्टूबर से भारत में शुरु होने वाले आईसीसी विश्व कप के लिये क्वालीफाई किया। नीदरलैंड इस तरह श्रीलंका के बाद क्वालीफायर के जरिये विश्व कप में प्रवेश करने वाली दूसरी टीम बनी। यह पांचवीं दफा है जब नीदरलैंड ने 50 ओवर के वैश्विक टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई किया है, उसने इससे पहले 1996, 2003, 2007 और 2011 चरण में हिस्सा लिया था। उसे क्वालीफाई करने के लिये 44 ओवर के अंदर 278 रन बनाने थे।

डि लीडे की 92 गेंद में सात चौके और पांच छक्के जड़ित 123 रन की शतकीय पारी तथा साकिब जुल्फिकार (नाबाद 33 रन) के साथ महज 11.3 ओवर में छठे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी से नीदरलैंड ने सिर्फ 42.5 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर विश्व कप का टिकट कटाया। नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने मैच के बाद कहा, कि मेरे पास इस अहसास को बयां करने के लिये शब्द नहीं है। बास डि लीडे और साकिब जुल्फिकर ने अंतिम 10 ओवर में जो कुछ किया, वह अविश्वसनीय है। यह इत्तेफाक है कि बास डि लीडे के पिता टिम डि लीडे नीदरलैंड के पहले तीन विश्व कप के दौरान टीम के अहम सदस्य थे। स्कॉटलैंड (+0.102)और जिम्बाब्वे (-0.099) के भी छह अंक थे लेकिन नीदरलैंड इस जीत की बदौलत +0.230 के रन रेट से उन्हें पछाड़ने में सफल रहा। अब नीदरलैंड की टीम फाइनल में श्रीलंका से खेलेगी लेकिन इस नतीजे से कोई फर्क नहीं पड़ेगा, बस इससे तय होगा कि क्वालीफायर 1 टीम कौन सी होगी और क्वालीफायर 2 कौन सी रहेगी।

इन 10 टीमों के बीच होगा वर्ल्ड कप

भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका, नीदरलैंड्स। विश्व कप क्वालीफायर के माध्यम से क्वालीफाई करने वाली टीमों के खिलाफ भारत के मैच 2 और 11 नवंबर को निर्धारित हैं, जो ग्रुप चरण में उनका आखिरी मैच होगा। श्रीलंका के खिलाफ भारत का मैच 2 नवंबर को वानखेड़े स्टेडियम में होगा, जो कि प्रतिष्ठित 2011 विश्व कप फाइनल का रीमैच होगा, तो दिलचस्प बात यह है कि यह भी उसी स्थान पर हुआ था। इस बीच, नीदरलैंड 11 नवंबर को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत से भिड़ेगा।

शहर में खुद रहे बेसमेंट कहीं बन न जाएं कब्रगाह

» बिल्डर परमिशन से ज्यादा करते हैं खुदाई, बड़े अपार्टमेंट दे रहे हैं खतरे को दावत

» अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत से हो रहा अवैध खनन

मो. शारिक

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बेसमेंट खुदाई में बिल्डरों की मनमानी जारी है। लगातार हो रही बारिश की वजह से इन अवैध बेसमेंट के खतरे अब जानलेवा होते जा रहे हैं। गौरतलब हो कि लखनऊ विकास प्राधिकरण जहां जितना बेसमेंट खुदाई की परमिशन देता है, भवन स्वामी अपनी मनमानी तरीके से बेसमेंट की खुदाई कर देते हैं। जब कभी कोई आपत्ति करता भी है तो संबंधित भवन स्वामी लखनऊ विकास प्राधिकरण से स्वीकृत नक्शे का हवाला देकर बच निकलता है।

मनमानी का आलम ये है कि मानक, नियमों की अनदेखी कर टीन सेट की चारदीवारी लगाकर अवैध कार्यों को सीना तान कर धड़ल्ले से करना शुरू कर देते हैं। इन भवन स्वामियों को नहीं पता पड़ोस में किस की दीवार उनकी अवैध खुदाई से खिसक सकती है। कौन सी सड़क धस सकती है। कब मजदूर इस बेसमेंट की खुदाई के दौरान हादसे का शिकार हो सकता है। इन सभी चीजों को दरकिनार कर बड़ी बड़ी बिल्डिंग लखनऊ में बनाई जा रही है।

बारिश में नहीं होगी बेसमेंट की खुदाई : वीसी एलडीए

फिलहाल लखनऊ विकास प्राधिकरण वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी से मिली जानकारी में बताया गया है। कि शालीमार गैलेंट बेसमेंट की खुदाई और निर्माण मानकों के अनुरूप है। निर्देश जारी कर दिए गए हैं। लखनऊ भर में कोई भी बारिश के समय में बेसमेंट की खुदाई और निर्माण नहीं करेगा। लखनऊ में अब कोई भी वेस्टमेंट की खुदाई और निर्माण सितंबर माह तक नहीं होगा।

शालीमार गैलेन्ट के आस-पास के घरों में घुसा पानी

शालीमार गैंलैंट का अंदर जाने का रास्ता नाले के ऊपर बना हुआ है। राजधानी में जिसका जीता जागता उदाहरण है महानगर का शालीमार गैलेन्ट। महानगर के पास खुद रहे इस प्रोजेक्ट के बेसमेंट में तेज़ बारिश से पानी भर गया है। धीरे-धीरे बेसमेंट में पानी का स्तर बढ़ता जाता है। किसी तरह से वहां काम कर रहे मजदूरों ने अपनी जान बचाया। बेसमेंट के अंदर जेसीबी तक डूब गई है। स्थानीय लोग इससे दहशत में। वे बताते हैं कि बेसमेंट के करीब नाले तक की दूरी कम होने के कारण ऐसी दुर्घटना हुई। तेज बारिश के बाद बेसमेंट में नाले का पानी तेजी घुसा। देखते ही देखते आसपास में बने फ्लेटों की नींव में भी पानी भरने लगा है। स्थानीय लोगों ने लखनऊ विकास प्राधिकरण में इस बाबत शिकायत की है। समय रहते जिला प्रशासन ने इसे संज्ञान में नहीं लिया तो बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल इस पूरे मामले की जांच भी की जाएगी और जल्द से जल्द नाले के बराबर की दीवार को पूरा कराने के आदेश भी हैं। इस दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, और ना ही बराबर में किसी बिल्डिंग व फ्लैट को नुकसान पहुंचा है।

4pm का कैमरा देख भागे जोन-3 में तैनात अवर अभियंता

इस दुर्घटना स्थल पर जाकर जब 4पीएम के रिपोर्टर ने जानकारी लेनी चाही तो अवर अभियंता सनी विश्वकर्मा कैमरा देखकर भाग खड़े हुए। मौके पर मौजूद अवर अभियंता ने खुद को स्थानीय निवासी बताया। जब इसकी जानकारी की गई तो पता चला वह अवर अभियंता है। ऐसे लोगों की वजह से एक बड़ा भ्रष्टाचार फल फूल रहा है, इससे पहले भी नाला एक बार टूट चुका था। पर नगर निगम जोन 3 के अवर अभियंता की देखरेख में शालीमार गैलेंट का नया प्रोजेक्ट बनता रहा। सबसे बड़ी बात इस मिली भगत की भनक अधिकारियों को भी नहीं लगी। गौरतलब मानसून के आते ही भ्रष्टाचार के बाबुओं की पोल खुलने लगी है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसे बाबुओं पर कार्रवाई कब होगी। साथ ही भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे है ऐसे इंजीनियर कब पकड़े जाएंगे जो नगर निगम के वरिष्ट अधिकारियों, कमिश्नर और नगर आयुक्त के निरंतर दौरे और आदेशों का भी पालन नहीं करते हैं।

अदालत ने बृजभूषण सिंह को किया तलब

» महिला पहलवानों के उत्पीड़न का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिला पहलवानों के उत्पीड़न मामले में दिल्ली की अदालत ने बृजभूषण सिंह को तलब किया है। उन्हे 18 जुलाई को पेश होने को कहा गया है। यह समन राउज एवन्यू कोर्ट की ओर से जारी की गई। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने 1000 पन्नों की चार्जशीट दो अलग-अलग अदालतों में दाखिल की थी।

वहीं पॉक्सो मामले में पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। पुलिस ने कहा था कि इस मामले में कोई पुख्ता सबूत नहीं है। पुलिस ने बृजभूषण पर पॉक्सो केस वापस लेने की अर्जी भी लगाई थी। सरकारी वकील ने बताया था कि फाइनल रिपोर्ट कोर्ट में फाइल की गई।

कर्नाटक में आम लोगों के लिए खोला खजाना

» सिद्धारमैया ने कांग्रेस सरकार का पहला बजट किया पेश

» गारंटियों को लागू करने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया शुक्रवार को राज्य की कांग्रेस सरकार का पहला बजट पेश किया। यह राज्य विधानसभा में सिद्धारमैया का 14वां बजट होगा, जो दिवंगत मुख्यमंत्री रामकृष्ण हेगड़े का रिकॉर्ड तोड़ देगा। दिवंगत सीएम रामकृष्ण हेगड़े ने अपने पूरे राजनीतिक करियर में 13 बजट पेश किए थे।

सीएम सिद्धारमैया ने राज्य का बजट पेश किया है। कुल बजट का 4 प्रतिशत यानी 14,950 करोड़ रुपये स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के लिए आवंटित किए गए हैं। सीएमओ ने कहा कि इस बजट में संसाधन जुटाने और कांग्रेस पार्टी के चुनाव घोषणापत्र में वादा की गई सभी पांच गारंटियों को लागू करने पर जोर दिया गया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 3.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक के परिव्यय के साथ राज्य का बजट पेश किया।

3,27,747 करोड़ रुपये का प्रावधान

कुल व्यय 3,27,747 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसमें राजस्व व्यय 2,50,933 करोड़ रुपये, पूंजीगत व्यय 54,374 करोड़ रुपये और ऋण चुकौती 22,441 करोड़ रुपये शामिल है। उनके द्वारा पेश किए गए पहला बजट 12,616 करोड़ रुपये था, जबकि उनके 13वां बजट 2,09,181 करोड़ रुपये था। 2023-23 के बजट में शिक्षा के लिए 37,587 करोड़ रुपये और महिला एवं बाल विकास के लिए 24,166 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो यह कुल बजट आवंटन का क्रमशः 11 प्रतिशत और 7 प्रतिशत है।

5 चुनावी वादों को तरजीह

चुनाव के दौरान घोषणापत्र में किए गए 5 चुनावी वादों को पूरा करते हुए कर्नाटक सरकार प्रत्येक परिवार को प्रति माह 4,000 रुपये से 5,000 रुपये की औसत अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। 5 पोल गारंटी के माध्यम से, लगभग 52,000 करोड़ रुपये सालाना खर्च किए जाएंगे और 1.3 करोड़ परिवारों को लाभ होने की उम्मीद है।सूत्रों ने यह भी बताया कि कांग्रेस सरकार देश को बीजेपी के खिलाफ संदेश देना चाहती है।

गरीब का बेटा अब पीछे नहीं हटेगा: मोदी

रायपुर में प्रधानमंत्री बोले- जो डर गया, वह मोदी नहीं हो सकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में विजय संकल्प रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि गंगा जी की झूठी कसम खाने का पाप कांग्रेस ही कर सकती है। गंगा जी की कसम खाकर इन्होंने एक घोषणा-पत्र जारी किया था और उसमें बड़ी-बड़ी बातें की थी, लेकिन आज उस घोषणा-पत्र की याद दिलाते ही कांग्रेस की याददाश्त ही चली जाती है।

पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ से 36 वादे जो कांग्रेस ने किए थे, उसमें एक ये था कि राज्य में शराब बंदी की जाएगी। पांच साल बीत गए, लेकिन सच यह है कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में हजारों करोड़ का शराब घोटाला कर दिया है और इसकी पूरी जानकारी अखबारों में भरी पड़ी है।

कांग्रेस के लिए छत्तीसगढ़ एटीएम है: पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लिए छत्तीसगढ़ एक एटीएम की तरह है। उन्होंने आरोप लगाया कोयला माफिया, बालू माफिया, भू-माफिया... न जाने कैसे-कैसे माफिया यहां फल-फूल रहे हैं। यहां सूबे के मुखिया से लेकर तमाम मंत्रियों और अधिकारियों तक पर घोटाले के गंभीर से गंभीर आरोप लगते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिनके दामन दागदार हैं, वे आज एक साथ आने की कोशिश कर रहे हैं। जो एक-दूसरे को पानी पी-पीकर कोसते थे, वे आज साथ आने के बहाने खोजने लगे हैं। उन्होंने कहा कि देश के हर भ्रष्टाचारी को एक बात कान खोलकर सुन लेनी चाहिए। वो अगर भ्रष्टाचार की गारंटी है, तो मोदी भ्रष्टाचार पर कार्रवाई की गारंटी है।

सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत पर पीएम ने जताया दुख

मुझे पता चला कि आज सुबह यहां रैली में आ रहे छत्तीसगढ़ के तीन लोगों की एक बस दुर्घटना में मृत्यु हो गई। इस घटना में कुछ लोग घायल भी हुए हैं। जिन लोगों का निधन हुआ है मैं उनको श्रद्धांजलि देता हूं और जो घायल हुए हैं उनके इलाज के लिए हर संभव मदद की जा रही है। जो लोग अस्पताल में हैं मैं उनके जल्द ठीक होने की कमना करता हूं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।